

ॐ सकृदं तिनयनं भित्तननं साधिलेननभित्तुपद्वयभा पच  
उभित्तुवर्तीपउमुलं सगमाठगवंतीकृमिपुत्र्य ॥ सगर ॥ ५ ॥  
ॐ तिसुलभित्तगंमिहुं गजं वक्रिभुतुपिल्लीभा इमींभित्तभनग  
गतांजलवर्गीसुगीठल ॥ कुलवर्गी ॥ ६ ॥

भद्राक्षः ॥ ॐ सन्मृदुभित्तभृत्तंभृत्तपतिं धीयधधंउवक हृत्तुनभृत्तंभृत्तके  
टिविभलंकाभृत्तपद्वयकृभा भद्राक्षीभृत्तिलेनंकरतलेः पा  
साक्षभृत्तपुसमिहृत्तभृत्तयंथसुपतिं भद्राक्षयंठवय ॥  
उगी ॥ ॐ ननंभृत्तनिवसुमन्मसकुलं भेल्लेणलठिचोते पसमिहृ  
णपरांलिभंभृत्तयलं मेहुं भृत्तंमिवाभा भृत्तपिपि  
लेमनंभित्तभृत्ती भृत्तभेनंभित्तभा वक्राक्षः भृत्तपुत्र्यः  
भृत्तभित्तंभृत्तीठलं उगीभा ॥







[illegible]

پس از این که صاحب بی سی سفید بر سر طبع شود



विमोदिय जाम उठि धुटि कभलि भयी भक्त भाना मण  
 ना लमुने केन थमं भिउ भविमध कं प्रभु कं माथरेल  
 या भाऊ जेनु महु धुटि कभलि प्रठा ठा भभान भ  
 भाना भाभेवा गेव उयं निव भउ वमने भचम भभुभ  
 वा ॥ ॥ विम उठु पाय भाप भुए वन कं भव सुद्ध भ  
 भान भर भउं निहं भच सुद्ध भर भुडी ॥ ॥ यामी वर भापी  
 भुडा एय भापी निहं मनि सुभापी नाना दुपणी भद्रा एय कर  
 विमुणी महुरी नेगी पोन पयेणी रिपु रुगी भाला ठगी  
 भुद्धगी भाभा पाउ भर भुडी रुग वडी निम्वे धरु पद ॥  
 विमं मीमी भर भुडे नमः ॥ ॥ ॥



ॐ उ उ भु ल भ म मि र शि प र भ नी लि म उ म्मि र त्र न भ यो य व न  
 ल नी लि क र ग ग ल नि ग रु व न न य त्रि उ भु ह रं भ उ त्र ति ति  
 उ नि ग रु भु ट ति ॥ ॐ उ म्म भ क भ य र भ उ भ र ए ध गु  
 म भु ह उ ति ह उ ति भु प भि उ ध प्पु क र भ भि ले सि प म्म क म न ह  
 उ र्ध्व भि क ली ल गुरुं ठ ग व डी डि भ रं न भ भि ॥  
 ॐ ग ल स व प्प क भु उ र ति भ क य क भ भि उ भ र ग र व र वि  
 भु र ग भु भ र ल र ल द उ म न ह उ भ भ भि तिः ध रि च  
 उ म भि ह्मि तिः क म भ व न भ पृ ग शि प र भ न्नी प उ नः ॥  
 ॐ र वी प उ भ भ ॥







विहीनैः मधुचिह्नान्नादिरभेयामधुमधुचिह्नैः मधु  
 धिभूताऽपि धुक्कायगायामधुनेकात्रिहता नूतभूय  
 मधुभूतं कउ वडीभूतं मधुनेमिउं मूवीमधुकभंयडाठ  
 गवडीमीमारिकाधुनः ॥ त्रियापङ्कडुभुनंदि  
 सुलधरमुपपुङ्गुधामेगमा मरुंभुनरमाधवलावर  
 माठीडिंकथान्नापुमावूडुडभेरपुधुकमभुधुनंमेठिभ  
 मभाधुकैः मूवीठिः परिवारिताममिणराभामारि  
 काधुनः ॥



[illegible]



त्रियापमं कुभमं त्रिमुल्लधारसु त्रिपुल्ल धर्मो गमं  
 मत्रं भुङ्गु रमाधवा लवरमा ठीतिं कथानादु  
 मातृ उडेभर भुभुके मभुभुल्लं मेठि मसभापुके :  
 म्बरीतिः परिवारिताममिणरा भामारिक  
 धातुनः ॥

त्रिमं वीपत्रगदुभिउं लिभनमिंसीउं मुसद्वभुं भुङ्गु रमा  
 गीउकल्लवल्लयं रज्जुभुगविहृतीभा सुल्लभुभिगमप  
 रंभुगल्लचैकुल्लभापुः भुउं निहंल्लिकेइयं करम  
 लधरं उरं रिनं ठल्ल ॥



तिरुत्तोरथस्त्रिभुजनेरधिकमभासु निःसंधधामसधल्लिमुग  
 निमेषात् कलुल्लिममिककल्लमभासुयल्लकामल्लुत्ते  
 यमिसाभुववेममीका ॥ तिरुत्तोरथस्त्रिभुजनेरधिकमभासु  
 मूभाठा यस्त्रिभुजनेरधिकमभासु तिरुत्तोरथस्त्रिभुजनेरधिकमभासु  
 उयभनगील्लकन्यदंशुल्लतिपासुसंगीविनाधि ॥  
 तिरुत्तोरथस्त्रिभुजनेरधिकमभासु तिरुत्तोरथस्त्रिभुजनेरधिकमभासु  
 संगीदूभा उल्लययतिनत्रभाउल्लनीयांरुद्रामिठिःभु  
 रवरेरधिकल्लककूभा ॥ यःश्रुतिककूगुल्लभुभुक्तु  
 तिरुत्तोरथस्त्रिभुजनेरधिकमभासु तिरुत्तोरथस्त्रिभुजनेरधिकमभासु  
 दूमयठवतीमुपासु भातःभविस्त्रकविताकिंकमन्त्रवती ॥



त्रिं श्रीमल्लमत्रभमलभुणयमरुभुंनगनदुकरवलच  
 द्विउकठभलभा भिउरउडुभमरुभुमीमिमीभिं  
 श्रीमारिकं दिनयनं रुमयभरुभि ॥ त्रिं रुकांनम  
 भुगनरंमिवरुगीमचक्रभभुचनीट्टामुष्टमययवि  
 लेकयडिभमट्टभिकथचडी मरुभु निर्णवेणठ  
 भिउरणममुचक्रिकभचम भान्दुनचभुमथगठगव  
 डीभयभुममारिक ॥ वलकेकेट्टुडिभिमुमुठंवर  
 भिसुलकयवक्रभभुभा भिंनपिपुठंमिवयभमव  
 लीनंठलमडभिसारिकमीभा ॥ म ॥

त्रिं

मि